13.23 hrs

(ii) RE: need to provide security to Shri Ramsagar Rawat,M.P. and his family

Title: Need to provide security to Shri Ramsagar Rawat, a Member from Uttar Pradesh and his family.

श्री रामसागर रावत (बाराबंकी) : सभापति महोदय, मैं बहुत दुखी मन से अपने और अपने परिवार संबंधी मांग उठाकर, सरकार से आवश्यक निर्देश चाहूंगा। उत्तर प्रदेश में सुश्री मायावती सरकार विरोधी दल के नेताओं और वहां के कार्यकर्ताओं को बदले की भावना से अपमानित करके और फर्जी मुकदमों में फसाकर उनको तबाह करने का काम कर रही है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, मैं दलित परिवार से यहां आया हूं। मैं चार बार से चुनकर यहां आ रहा हूं।

इससे पहले भी मैं विधान सभा में तीन बार सदस्य रहा हूं लेकिन आज क्या हो रहा है? मैं जनपद बाराबंकी से सपा का सदस्य होने के नाते एक ऐसी घटना जिसमें मेरे परिवार का कोई लेनादेना नहीं है, एक फर्जी मुकदमे में बारह तारीख को जिस दिन मायावती बाराबंकी गई थीं, वहां अधिकारियों को निर्देश देकर मेरे तीन सगे भाइयों को फर्जी मुकदमे में लगाकर उन्हें जेल में बंद करने का काम किया गया है। इतना ही नहीं है, हम जैसे आदमी को धमकी बराबर मिल रही है कि आपको और आपके परिवार को तबाह कर दिया जाएगा।(व्यवधान)

सभापति महोदय : ठीक है, अब आप आसन ग्रहण कीजिए।

श्री रामजीलाल सुमन : बहुत गंभीर मामला है।

श्री सुरेश रामराव जाधव (परमनी) : सभापति जी, हर मामले में ये ही बोलते हैं।â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : जितने माननीय सदस्य खड़े होकर बोलेंगे, उसका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने सवाल उठा दिया। सरकार सुन रही है। अब आसन ग्रहण कीजिए।

(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति जी, यह बहुत गंभीर बात है।(व्यवधान)

सभापति महोदय : बहुत गंभीर बात है तो उन्होंने सवाल उठाया, सरकार ने सुन लिया है। अब बसुदेव आचार्य जी बोलेंगे।

(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, the erosion of the River Ganga leading to River Pagla joining with River Ganga has endangered the entire Malda district and parts of Murshidabad district. (*Interruptions*)

श्री रामसागर रावत : इतना ही नहीं, एक महीने पहले(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : यह बहुत गंभीर मामला है। बदले की भावना से वहां काम हो रहा है।(व्यवधान)

सभापति महोदय : उन्होंने सवाल उठा दिया। अब क्या चाहते हैं? कृपा कर आसन ग्रहण कीजिए।

(व्यवधान)

सभापति महोदय : क्या आप चाहते हैं कि दूसरे माननीय सदस्यों के सवाल नहीं उठें? चार-चार माननीय सदस्य एक साथ खड़े हो जाते हैं। कृपया आसन ग्रहण कीजिए। जवाब देने के लिए सरकार बाध्य नहीं है। सरकार ने नोट कर लिया है, सरकार सुन रही है।

(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : This erosion has endangered the railway track connecting North India and West Bengal with the North-Eastern States. This erosion has endangered the Farakka Barrage also. (*Interruptions*) In 1996, the Planning Commission constituted an Expert Committee and that Expert Committee recommended short-term as well as long-term measures. (*Interruptions*)

सभापति महोदय : सवाल आपने उठा दिया। अब शांति रखिए।

श्री रामसागर रावत : मेरे परिवार और मेरी सुरक्षा का गंभीर मामला है और मैंने सारी बातें बताई हैं।(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप कागज भिजवा दीजिए।

13.28 hrs.

(At this stage, Shri Ramsagar Rawat came and sat on the floor near the Table.)

13.28¼ hrs.

(At this stage, Kunwar Akhilesh Singh and some

other hon. Members came and stood on the floor near the Table)

सभापति महोदय : कृपया आप सब लोग यहां से अपने आसन पर जाइए। आपने सवाल उठाया। अब सीट पर जाइए।

(व्यवधान)

सभापति महोदय : इनकी बात प्रोसीडिंग में नहीं जाएगी। सीट पर से बोलने वालों की बात ही जाएगी।

...(व्यवधान)... *

श्री रामजीलाल सुमन : इस मामले में सरकार बताए।(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चीखलीया) : ºÉ£ÉÉ{ÉÉÊiÉ VÉÉÒ, मैं माननीय गृह मंत्री जी के संज्ञान में यह मामला लाऊंगी।

सभापति महोदय : आपने सवाल उठा लिया है। ृंपा कर अब आसन पर जाइए। इस तरह से आप उनकी कोई मदद नहीं कर रहे हैं। आप सीट पर जाएंगे तो उनकी मदद होगी।

(व्यवधान)

सभापति महोदय : ृंपया सीट पर जाएं।

13.30 hrs.

(At this stage, Kunwar Akhilesh Singh and some other

hon. Members went back to their seats)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : सभापति महोदय, बड़ा गम्भीर मामला है।

सभापति महोदय : मंत्री जी रिसपांड कर रही हैं।

***Not Recorded.**

स्ीमती भावनाबेन देवराजभाई चीखलीया : सभापति जी, आपके आदेश से इस विाय को मैं गृह मंत्री जी तक पहुंचा दूंगी।

13.31 hrs.

(At this stage, Shri Ram Sagar went back to his seat.)